मूल्य 1 रु.
वर्षः 12 - अंक : 229, मुंबई, शनिवार, 22 अक्टूबर, 2022 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक
मुंबई हलचल
भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R
अब हर सच होगा उजागर

॥ शुभ लाभ ॥
MIX MITHAI
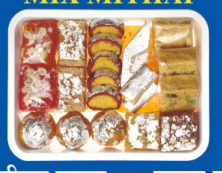
मोतीचूर लड्डू
बदाम बर्फी
काजू कतली
मलाई पेड़े
काजू रोल
रसगुल्ले
Order Now 98208 99501
ONLINE SHOP : www.mmmithaiwala.com
MM MITHAIWALA
Malad (W), Tel. : 288 99 501.

आतंकी हमले की आशंका?

मुंबई में 15 दिनों का अलर्ट, धारा 144 के साथ नई गाइडलाइंस जारी

मुंबई। मुंबई शहर में कानून-व्यवस्था और सुरक्षा संबंधी चिंताओं और खतरों को ध्यान में रखते हुए मुंबई पुलिस ने 15 दिनों का अलर्ट जारी किया है। इन पंद्रह दिनों में शहर में सीआरपीसी की धारा 144 (जमावबंदी) लागू रहेगी। इसके अलावा मुंबई पुलिस ने नई गाइडलाइंस भी जारी की है। भारत की आर्थिक राजधानी होने की वजह से मुंबई हमेशा ही आतंकियों का टारगेट रही है। इस बार अलग-अलग सूत्रों से आतंकी हमले, दंगे भड़काने, अशांति फैलाने की साजिशों के कुछ इनपुट्स मिले हैं। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

5 से ज्यादा जमा नहीं हों एक जगह पर, ना ही बजें डीजे और लाउडस्पीकर

मुंबई पुलिस के आदेश के मुताबिक एक जगह पर 5 से ज्यादा लोगों को जमा होने पर रोक होगी। इन 15 दिनों में किसी भी तरह की सभा का आयोजन या रैली की अनुमति नहीं होगी। लाउडस्पीकर और डीजे पर भी पाबंदी होगी।

दैनिक मुंबई हलचल
जरूरी सूचना

सभी को सुचित किया जाता है कि अगर दै. मुंबई हलचल के नाम पर कोई व्यक्ति संवाददाता बता कर आपसे कोई भी गलत व्यवहार करता है तो आप तुरंत अपने स्थनीय पुलिस स्टेशन में जाकर उस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराये, अगर आप उस व्यक्ति से कोई लेन-देन करते हैं तो उसका जिम्मेदार आप खुद होंगे.

धन्यवाद...संपादक

आप दै. मुंबई हलचल के कार्यालय में नीचे दिये गये नंबर पर संपर्क कर सकते हैं
9820961360

संजय राउत की दिवाली भी काली

जमानत अर्जी पर सुनवाई अब 2 नवंबर को होने वाली

मुंबई। महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख की तरह शिवसेना सांसद संजय राउत की दिवाली भी जेल में ही कटने वाली है। देशमुख की जमानत सीबीआई कोर्ट ने ठुकरा दी है और संजय राउत की जमानत पर सुनवाई अब सीधे 2 नवंबर को होने वाली है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

पत्राचॉल घोटाले में संजय राउत सिर्फ सहभागी नहीं बल्कि मुख्य आरोपी- ईडी

नेरल-माथेरान में पर्यटकों के लिए फिर छुक-छुक करेगी ट्रॉय ट्रेन

22 अक्टूबर से दौड़ेगी

मुंबई। महाराष्ट्र के पर्यटन स्थल नेरल-माथेरान में टॉय ट्रेन फिर से शुरू होने जा रही है। भारी बारिश के कारण रेल ट्रैक क्षतिग्रस्त होने के बाद ट्रेन सेवा बंद थी। मध्य रेलवे ने गुरुवार को कहा कि बहुप्रतीक्षित नेरल-माथेरान टॉय ट्रेन सेवा 22 अक्टूबर से शुरू होगी। जानकारी के मुताबिक, टॉय ट्रेन नेरल से सुबह 8:50 बजे और दोपहर 2:20 बजे खुलेगी, जो सुबह 11:30 बजे और शाम 5 बजे माथेरान पहुंचेगी। माथेरान की ओर से ट्रेन दोपहर 2:45 बजे और 4:40 बजे खुलेगी और प्रतिदिन शाम 5:30 बजे और शाम 7 बजे नेरल पहुंचेंगी। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

सीरम इंस्टीट्यूट ने बंद किया कोविशील्ड वैक्सीन का उत्पादन

मौजूदा स्टॉक भी हुआ एक्सपायर

मुंबई। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अदार पूनावाला ने बृहस्पतिवार को बताया कि एसआईआई ने दिसंबर 2021 से कोविशील्ड टीके का उत्पादन बंद कर दिया है और इस समय मौजूद कुल स्टॉक में से लगभग दस करोड़ खुराक के इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुकी है। यानी ये वैक्सीन एक्सपायरी डेट को पार कर चुकी है। **(शेष पृष्ठ 6 पर)**

10 करोड़ कोविशील्ड वैक्सीन के डोज के स्टॉक ने एक्सपायरी डेट को किया क्रॉस

कोविशील्ड टीके से जुड़ी अपडेटेड जानकारी के बारे में पूछे जाने पर पूनावाला ने कहा, दिसंबर 2021 से हमने उत्पादन (कोविशील्ड का) बंद कर दिया। हमारे पास उस समय करोड़ों टीकों का भंडार था, जिनमें से दस करोड़ खुराक के इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुकी है। उन्होंने कहा कि एसआईआई के टीकों की मिश्रित खुराक लगाने की अनुमति है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

रेल सेवा की चिंता

कोरोना महामारी के समय रेल सेवा पूरी तरह बाधित हुई थी और उसके बाद अभी तक पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। एक ओर, जहां रेल का किराया प्रीमियम के नाम पर काफी बढ़ गया है, वहीं दूसरी ओर, 20 अक्तूबर को एकबारगी 138 ट्रेनों को पूरी तरह से और 37 को कई क्षेत्रों में आंशिक रूप से रद्द कर दिया गया। कारणों में रखरखाव को भी गिनाया गया है, लेकिन एक ही बार में इतनी बड़ी संख्या में ट्रेनों को रद्द करना क्या उचित है? देश त्योहारों के समय से गुजर रहा है, रेल सेवाओं पर असंख्य लोग निर्भर होंगे, ताकि अपने घर या काम की जगह पहुंच सकें। दिवाली को जब दो-तीन दिन ही रह गए हैं, तब रेलों को रद्द करना अव्यावहारिक ही नहीं, अमानवीय भी है। रेलपथ के रखरखाव का काम तो कुछ दिन पहले भी हो सकता था। दिवाली या छठ जैसे पर्व-त्योहारों के ठीक पहले ट्रेनों को रद्द करने से होने वाली परेशानी को एक आम आदमी भी आसानी से समझ सकता है। बहरहाल, रेलवे को अपनी नीतियों और फैसलों को स्थिर रखने की जरूरत है। किराये का जो अनुपात है, उसमें बहुत अंतर है। किसी ट्रेन में किराया अगर हजार रुपये है, तो उतनी ही दूरी का किराया किसी अन्य ट्रेन में दो से तीन गुना ज्यादा भी हो सकता है। यहां तक कि एक ही ट्रेन में अगल-बगल बर्थ वाले यात्रियों के बीच भी किराये में बड़ा अंतर हो सकता है। यह यात्रियों को सुविधा देने की व्यवस्था है या ज्यादा से ज्यादा कमाई का तरीका? आखिर क्या है डायनामिक फेयर सिस्टम, जिसकी शुरूआत सितंबर 2016 में रेलवे ने की थी? डायनामिक फेयर सिस्टम शताब्दी, राजधानी और दुरंतो जैसी 150 से ज्यादा प्रीमियम गाड़ियों पर लागू होता है। इन गाड़ियों में समय के साथ किराया बदलता रहता है। किराये की इस व्यवस्था की तार्किकता को समझना आम यात्रियों के लिए भी आसान नहीं है, लेकिन आम यात्री यह जानने लगे हैं कि अब अलग-अलग किराया वसूली हो रही है। देश में अन्य कोई ऐसी जरूरी सेवा नहीं है, जिसके लिए शुल्क ऐसे चुकाना पड़ता हो। रेलवे की कमाई की शैली में जमाखोरी और कालाबाजारी जैसे तत्व भी वैध स्वरूप में वर्षों से प्रचलन में हैं। क्या सरकार इसी तरह से असमान किराया वसूलने की इजाजत अन्य सेवाओं के लिए भी दे सकती है? हालांकि, कुछ विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि रेलवे के निजीकरण के बाद जो सब होना है, वह सब रेलवे विभाग पहले से ही करने लगा है। ठीक इसी तरह से ट्रेन में मिलने वाली सुविधाएं भी असमान हैं और कई बार पूरा पैसा चुकाने के बाद भी बुनियादी सेवा मिलने की गारंटी नहीं होती। पुरानी बॉगी और नई बॉगी के बीच भी सुविधा-सहूलियत में अंतर यात्रियों को चुभता है। खान-पान सेवा में चमक-दमक तो बढ़ रही है, लेकिन यह सेवा बुनियादी रूप से गुणवत्ता और विश्वसनीयता के स्तर पर अपनी साख लगातार गंवा रही है। शिकायत करने के बावजूद यथोचित सुनवाई का अभाव खलने लगा है। जिन देशों में अच्छी और जवाबदेह रेल सेवा है, उनसे क्या हम कुछ सीख रहे हैं? गाड़ियों की गति बढ़ रही है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि प्रीमियम स्तर की गाड़ियों की तादाद बढ़ती जाए और सामान्य सवारी गाड़ियों का टोटा पड़ने लगे। कोई आश्चर्य नहीं, अधिक किराये की वजह से प्रीमियम गाड़ियों में पंद्रह प्रतिशत सीटें खाली रह जाती हैं और सामान्य गाड़ियां खचाखच होकर चलती हैं। रेलवे को कमाई का नहीं, आम लोगों की सुविधा का साधन बनना चाहिए।

नरेंद्र मोदी और अंग्रेजी हटाओ

गुजरात के स्कूलों में 5 जी की तकनीक के बारे में बोलते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कमाल कर दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री की हैसियत से 'अंग्रेजी की गुलामी' के खिलाफ जो बात कह दी है, वह बात आज तक भारत के किसी प्रधानमंत्री की हिम्मत नहीं हुई कि वह कह सके। मोदी ने 'अंग्रेजी की गुलामी' शब्द का प्रयोग किया है, जिसके बारे में पिछले 60-70 साल से मैं बराबर बोलता और लिखता रहा हूँ और अपने इस विचार को फैलाने की खातिर मैं जेल भी काटता रहा हूँ और अंग्रेजी भक्तों का कोप-भाजन भी बनता रहा हूँ। देश की लगभग सभी पार्टियों के सर्वोच्च नेताओं और प्रधानमंत्रियों से मैं अनुरोध करता रहा हूं कि हिंदी थोपने की बजाय आप सिर्फ अंग्रेजी हटाने का काम करें। अंग्रेजी हटेगी तो अपने आप हिंदी आएगी। उसके अलावा कौनसी भाषा ऐसी है, जो भारत की दो दर्जन भाषाओं के बीच सेतु का काम कर सकेगी? लेकिन हमारे नौकरशाहों और बुद्धिजीवियों के दिमाग पर अंग्रेजी की गुलामी इस तरह छाई हुई है कि उनकी देखादेखी किसी प्रधानमंत्री या शिक्षामंत्री की आज तक हिम्मत नहीं पड़ी कि वह 'अंग्रेजी हटाओ' की बात करे। अंग्रेजी हटाओ का अर्थ अंग्रेजी मिटाओ बिल्कुल नहीं है। इसके सिर्फ दो अर्थ हैं। एक तो अंग्रेजी की अनिवार्यता हर जगह से हटाओ और दूसरा विदेश नीति, विदेश व्यापार और अनुसंधान के लिए हम सिर्फ अंग्रेजी पर निर्भर न रहें। अंग्रेजी के साथ-साथ अन्य विदेशी भाषाओं का भी इस्तेमाल करें। यदि ऐसा हो तो भारत को महाशक्ति और महासंपन्न बनने से कोई ताकत रोक नहीं सकती। प्रधानमंत्री के अंग्रेजी-विरोध का आशय केवल इतना ही है लेकिन तमिलनाडु विधानसभा ने सरकार की भाषा नीति के विरुद्ध प्रस्ताव पारित करके वास्तव में तमिलनाडु का बड़ा अहित किया है। गृहमंत्री अमित शाह ने अपने भाषणों में हिंदी थोपने की बात कभी नहीं की है लेकिन देश के हिंदी-विरोधी नेता मनगढंत तथ्यों के आधार पर उनकी बातों का विरोध कर रहे हैं। मुझे तो आश्चर्य है कि इस मुद्दे पर कांग्रेस-जैसी पार्टी चुप क्यों है? कम से कम वह गांधी नाम की इज्जत बचाए। महात्मा गांधी ने तो यहां तक कहा था कि स्वतंत्र भारत की संसद में जो अंग्रेजी में बोलेगा, उसे हम छह माह की जेल करा देंगे। समाजवाद के पुरोधा डॉ. राममनोहर लोहिया ने तो देश में बाकायदा अंग्रेजी हटाओ आंदोलन चला दिया था लेकिन उ.प्र. की समाजवादी पार्टी भी इस मुद्दे पर मौन धारण किए हुए है। सर्वत्र अंग्रेजी के एकाधिकार के कारण भारत के गरीब, विपन्न, ग्रामीण और मेहनतकश लोगों की हालत कार्ल मार्क्स के शब्दों में सर्वहारा की बनी हुई है लेकिन इन सर्वहारा की लूट पर मार्क्सवादियों की बोलती बंद क्यों है? मोदी ने जो कहा है, यदि वे वह करके दिखा दें तो दक्षिणपंथी कहे जानेवाले भाजपाई और संघी लोग वामपंथियों से भी अधिक प्रगतिशील साबित होंगे। यदि देश की सर्वोच्च शिक्षा और सर्वोच्च नौकरियां भी भारतीय भाषाओं के जरिए मिलने लगें तो देश के करोड़ों लोगों को सच्ची आजादी मिलेगी। जाति के नाम पर आरक्षण की चूसनियाँ लटकाकर उन्हें पटाने की जरुरत ही नहीं पड़ेगी।

अनिवार्य मतदान की तरफ बढ़ता भारत!

भारत धीरे धीरे अनिवार्य मतदान की दिशा में बढ़ रहा है। कुछ प्रयास चुनाव आयोग कर रहा है और कुछ सरकारी स्तर पर हो रहे हैं। हालांकि चुनाव आयुक्त रह चुके कई अधिकारियों ने इस विचार का विरोध किया है। उनको लगता है कि एक जीवंत लोकतंत्र के लिए अनिवार्य मतदान घातक हो सकता है क्योंकि यह लोगों की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को सीमित करेगा। लोकतंत्र में मतदान नहीं करना भी एक किस्म का जनादेश होता है। आखिर चुनाव आयोग ने 'नोटा' यानी 'इनमें से कोई नहीं' का विकल्प ईवीएम में जोड़ा है। अगर चुनाव लड़ रहे किसी उम्मीदवार को वोट नहीं देना मतदाता का अधिकार है तो चुनाव प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेना भी उसी तरह से उसका अधिकार होना चाहिए। उसे सिर्फ उम्मीदवार को खारिज करने का मौका क्यों मिले, उसे मतदान प्रक्रिया में हिस्सा नहीं लेकर पूरी सरकार और व्यवस्था के विरोध का भी अधिकार मिलना चाहिए। यह एक सैद्धांतिक स्थित है लेकिन व्यावहारिक रूप से भी भारत जैसे भौगोलिक विशालता और विविधता वाले देश में इस तरह का कानून व्यावहारिक नहीं है। इस हकीकत को जानने के बावजूद अनिवार्य मतदान की व्यवस्था लाने के प्रयास होते रहते हैं। चुनाव आयोग की ओर से हाल के दिनों में कुछ ऐसी पहल हुई है, जिससे यह संकेत मिलता है कि प्रत्यक्ष रूप से कानून बना कर मतदान अनिवार्य करने की बजाय पिछले दरवाजे से इसे लागू करने के प्रयास हो रहे हैं। यह संयोग नहीं है कि इसकी शुरूआत

भी गुजरात में हुई है, जहां स्थानीय निकाय चुनावों में अनिवार्य मतदान का कानून पास हुआ है और जहां मुख्यमंत्री रहते नरेंद्र मोदी ने दो बार अनिवार्य मतदान का विधेयक विधानसभा से पास कराया था। मुख्यमंत्री के तौर पर मोदी के दोनों प्रयास विफल हो गए थे क्योंकि तब की राज्यपाल कमला बेनीवाल ने अनिवार्य मतदान के विधेयकों को नागरिकों की आजादी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का विरोधी बता कर और संविधान के अनुच्छेद 19 का हवाला देते हुए वापस कर दिया था। बाद में जब केंद्र में नरेंद्र मोदी की सरकार बनी और भाजपा नेता ओपी कोहली गुजरात के राज्यपाल बने तब स्थानीय निकायों में अनिवार्य मतदान के विधेयक को उन्होंने मंजूरी दे दी। बहरहाल, नई पहल भी गुजरात से हुई है। राज्य में अगले कुछ दिन में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने गुजरात की एक हजार से ज्यादा कंपनियों के साथ एक समझौता ज्ञापन यानी एमओयू पर दस्तखत किए हैं। कंपनियों ने चुनाव आयोग से करार किया है कि वे अपने यहां काम करने वाले सभी कर्मचारियों को मतदान के लिए कहेंगी और जो कर्मचारी मतदान नहीं करेगा, उसका नाम कंपनी की वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और ऑफिस के अंदर नोटिस बोर्ड पर लगाया जाएगा। इसका मकसद मतदान नहीं करने वाले कर्मचारियों को शर्मिंदा करना है। राज्य के मुख्य चुनाव अधिकारी पी भारती का कहना है कि चुनाव आयोग मतदाताओं की भागीदारी पर नजर रख रहा है। मतदाताओं की भागीदारी पर नजर रखना एक बात है और भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए नाम लेकर उसे शर्मिंदा करने का प्रस्ताव बिल्कुल दूसरी चीज है। यह एक नागरिक की निजता और स्वाभिमान के प्रतिकूल है, जिसे तत्काल वापस लेना चाहिए। इतना ही नहीं चुनाव आयोग ने यह योजना भी बनाई है कि जो भी व्यक्ति मतदान नहीं करेगा उसको आयोग की ओर से टेलीफोन किया जाएगा। उसमें क्या कहा जाएगा, यह नहीं बताया गया है लेकिन निश्चित रूप से कारण पूछा जाएगा। यह भी संवैधानिक प्रावधानों के अनुकूल नहीं होगा। अनिवार्य मतदान की दिशा में भारत के बढ़ने का एक संकेत जून में चुनाव आयोग की ओर से की गई पहल से भी मिलता है। चुनाव आयोग ने इस साल जून में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के सभी विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों को एक चिट्ठी लिखी, जिसमें उनसे कहा गया कि जिन विभागों में काम करने वाले कर्मचारियों की संख्या पांच सौ या उससे ज्यादा है वे अपने यहां एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें, जो इस बात का पता लगाएगा कि मतदान के दिन कौन कमचारी उपलब्ध होने के बावजूद वोट डालने नहीं गया यानी मतदान नहीं किया।

मालिक,मुद्रक,प्रकाशक-**दिलशाद एस खान** द्वारा एस आर प्रिंटिंग प्रेस,मोहन अर्जुन कंपाउंड, वैशाली नगर दहिसर (पूर्व),मुंबई-68 से मुद्रित व मुंबई हलचल,साईं मंगल को ऑ हॉ सो बी-2-301,इस्माइल बाग नियर मालाड शॉपिंग सेंटर, एस वी रोड,मालाड (प) मुंबई से प्रकाशित RNI NO MAHHIN/2010/34146, फोन:**9619102478 /9821238815**
email: mumbaihalchal@gmail com संपादक: **दिलशाद एस खान,** समाचार पत्र में छपे किसी भी समाचार से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। किसी भी विवाद का निपटारा न्याय क्षेत्र मुंबई होगा।

दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) का क्षेत्र बना अवैध निर्माण का हब

बिल्डर हसन खान | बिल्डर सय्यद जफर

बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर खान शिकायत करने वालों को देता है खुलेआम धमकी

बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर खान का कहना है कि तुमको जो करना है कर लो, मेरा सेटिंग नीचे से लेकर ऊपर तक है, इसलिए मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता

बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर खान द्वारा इस तरह खुलेआम धमकी देना और बेखौफ होकर अवैध निर्माण करना दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) के मुंह पर है तमाचा

अपने आंखों से भ्रष्टाचार की पट्टी हटाकर मुंब्रा शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में हो रहे अवैध निर्माण पर कब कार्रवाई करेगी दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी)?

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) के अंतर्गत आने वाले शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण हो रहा है। लेकिन दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) ने अपने आँखों पर भ्रष्टाचार की पट्टी बांध रखी है। अवैध निर्माण के बारे में शिकायत करने के बाद भी कार्रवाई न होने की वजह से अवैध निर्माणकर्ताओं के हौंसले और बुलंद हो रहे है। आपको बता दें कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री का आर्डर था कि अगर कहीं पर भी अवैध निर्माण होगा तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जायेगी, लेकिन दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) बेखौफ होकर मुख्यमंत्री के आदेशों का भी खुलेआम उड़ा रहा है धज्जियां। दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) के अंतर्गत शिलफाटा कौसा के पास खान कम्पाउंड में बेखौफ धड़ल्ले से किया जा रहा है अवैध निर्माण कार्य का बांधकाम। बता दें कि बिल्डर हसन खान और इसका पार्टनर सय्यद जफर बिल्डर ये दोनों पहले से ही यहां पर अवैध बिल्डिंग का निर्माण करते आ रहे हैं, और अवैध बिल्डिंग होने की वजह से जनता को बाद में परेशानियों का सामना करना पड़ता है। हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर से जब जनता अपने परेशनियों के बारे में बात करने की कोशिश करता है तो ये दोनों गुंडागर्दी पर उतारू हो जाते हैं,

जिसके बाद जनता इनके डर और खौफ से खामोश बैठ जाती है, हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर ये दोनों अपने गुंडागर्दी के दम पर बेखौफ अवैध निर्माण करते हैं। दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) में इसी तरह बिना किसी परमीशन के वहां पर अपने गुंडागर्दी के दम पर व रिश्वत खिलाकर बिल्डर अवैध निर्माण करके बिल्डिंगों को बनाते हैं, जब इनके बिल्डिंगों को डेमोलेशन का आदेश आता है तो ये बिल्डर वहां से भाग जाते हैं, उसके पर गरीब जनता को परेशानियां उठानी पड़ती है, जनता का सारा मेहनत का पैसा एक झटके में डूब जाता है। सवाल यह है कि जब दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) के अंतर्गत अवैध तरीके से बिल्डिंगों का निर्माण करके बेचा जाता है तो दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) के अधिकारी क्यों नहीं कार्रवाई करते हैं, या फिर अपने आंखों पर रिश्वत की पट्टी बांध कर चैन की नींद सोते हैं। हसन बिल्डर और इसका पार्टनर जफर बिल्डर जैसे लोगों पर एमआरटीपी के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, और अगर अवैध बिल्डिंगों पर बनने से पहले ही कार्रवाई करके डेमोलेशन कर दिया जायेगा तो आम गरीब जनता का पैसा डूबने से बच जायेगा। दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) का कहना है कि अगर आपको अवैध बिल्डिंग बनाना है तो रिश्वत का डिब्बा हमारे पास पहुंचा दो और फिर बेखौफ हो कर अवैध बिल्डिंगों का निर्माण करो आपको कोई भी परमीशन लेने की जरूरत नहीं है, आपके रिश्वत का डिब्बा ही आपका परमीशन है, यही है दिवा प्रभाग समिती (टीएमसी) का काम।

भीलवाड़ा में भाजपा ने पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस कर्मियों का सम्मान किया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। भीलवाड़ा में पुलिस स्मृति दिवस पर भारतीय जनता पार्टी भीलवाड़ा विधि प्रकोष्ठ व अधिवक्ता परिषद के संयुक्त तत्वाधान में भाजपा जिला अध्यक्ष लादू लाल तेली के मुख्य आथित्य में जिला न्यायालय परिसर मे पुलिस स्मृति दिवस पर पुलिस अधिकारीयों एंव जाबांज पुलिसकर्मियों का तिलक लगाकर माल्यार्पण कर मुंह मीठा करा अभिनन्दन किया और शुभकामनाएं दी। जिलाध्यक्ष लादूलाल तेली एडवोकेट ने कहा की जाबांज पुलिस सुरक्षा कर्मियों समाज मे और देश मे कानून व्यवस्था शांति एंव सुरक्षा एंव सोहार्द का माहोल बनाये रखने के लिए पुलिस की महत्ती

भुमिका रही है जिलाध्यक्ष तेली ने कहा कि पुलिसकमीयो 1959 को लद्दाख मे भारत चीन सीमा की रक्षा करते हुए शहीद हुए 10 पुलिसमीयों के बलिदान को भुलाया नही जा सकता। इस अवसर पर विधि प्रकोष्ठ के जिला संयोजक हेमेंद्र सिंह राणावत एडवोकेट ने बताया की सभी अधिवक्ताओं ने पुलिस कमीयो के सम्मान मे भारत माता की जय, वन्दे मातरम, राजस्थान पुलिस जिन्दाबाद के उदघोष लगाकर पुलिसकर्मियों का सम्मानित किया। अधिवक्ता परिषद के जिला संयोजक रघुनंदन सिंह कानावत एडवोकेट ने बताया की पुलिस ने कोरोना माहमारी के समय मे किये गये जनता की प्रति किये गये समर्पित कार्य एंव सेवा अविस्मरणिय रहा है। वरिष्ठ अधिवक्ता शिव लाल शर्मा , राजकुमार शर्मा, अंबालाल कुमावत, बाबूलाल आचार्य, कुशल साहू, पीरू सिंह गौड़, राकेश जैन, गोपाल सोनी, नवरत्न मल जोशी, राजेश सांमरिया, कुलदीप सिंह पुरावत, बाल किशन पुरोहित,धर्मेन्द ओझा, रामपाल शर्मा, रामाकान्त पाण्डे, सपना जैन, आजाद शर्मा ओमप्रकाश लड्ढा, रतन चंदिल, कन्हैया लाल तेली, हरजीराम रेबारी, अर्जुन साहु, राकेश नुवाल सहित कई अधिवक्तागण उपस्थित रहे। उक्त जानकारी एडवोकेट पीरु सिंह गौड़ ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

अज्ञात कारणों से लगी आग, खेत में पड़ा चारा जल कर राख

हितेश सोनी (रामाजी गुडा)

सिन्दरली ग्राम पंचायत मांगलियान मार्ग पर 6 खेतो में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। जिससे काटी हुई फसल जलकर राख हो गई। ग्रामीणो की मदद से करीब 3 घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद आग को नियंत्रण किया गया।देसूरी उपखण्ड क्षेत्र के सिन्दरली से गुडा मांगलियान सड़क मार्ग पर एक खेत में अज्ञात कारणों से आग लग गई आग ने धीरे धीरे विकराल रूप ले लिया आग हवा के साथ फैलती हुई आधा दर्जन खेतो में जिसमे 50 बीघा जमीन को अपनी चपेट में ले लिया चारो तरफ आग ने तांडव मचा दिया। मौके पर सरपंच कानाराम मेघवाल की सुचना पर दो अग्नि शमन व तीन जेसीबी तथा दो टेक्करो व ग्रामीणों की मदद से तीन घण्टे बाद आग पर काबू पाया गया। आग पर काबू पाने से पहले खेतो मे खड़ी व कटी हुई फसलें पूरी तरह जलकर राख हो गई जिससे किसानों को लाखों रुपयों का नुकसान हो गया। दो अग्निशमन की मदद से मिली राहत। अज्ञात कारणो से लगी

पर काबु पाने लिए दो अग्निशमन की मदद लेनी पडी।प्रत्यक्ष सरपंच कानाराम मेघवाल ने बताया कि ग्रामीणो के फोन से आग की सुचना मिलने पर सादडी अग्निशमन को सुचित किया।अग्निशमन आने पर आग का विकराल रूप देख बाली अग्निशमन को भी सुचित करना पडा, तब दो अग्निशमन व तीन जेसीबी तथा तीन टैक्टर वही सैकडो ग्रामीणो की मदद से आग पर नियंत्रण कर पाये। इस दौरान सरपंच कानाराम मेघवाल, समाज सेवी गणपत चौधरी,शेरसिंह राणावत गुडा मांगलियान,समाज सेवी जीवराज प्रजापत, जीवाराम चोधरी, कृषि पर्यवेक्षक नरेश कुमार सोलंकी, भारत सिंह, जगदीश सैन, मांगीलाल राणा, मनीष राणा, वशपाल सिंह, विजय राज, रविन्द्र प्रसाद, राहुल, रोहित आदि ग्रामीण उपस्थित थे। इनके खेतो मे लगी आग, किसान गणपत चौधरी, गुलाब चौधरी, गमनाराम चौधरी, लक्ष्मण भील, मांगीलाल राणा,भरत राणा,आदि किसानो के खैतो मे आग लगने से भारी मात्रा मे चारा जलकर राख हो गया।

कानपुर की महापौर ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता के लिए बाँटे दिये

कानपुर। शहरियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने के लिए महापौर ने शुक्रवार को प्रमुख बाजारों में दिये बाँटे। उन्होंने लोगों से आव्हान किया कि वह दीपावली पर एक दिया स्वच्छता के नाम पर जलाए जिससे कि हमारा शहर गन्दगी रूपी राक्षस से छूटकारा पाए और हम एक स्वच्छ वातावरण में अपना जीवन यापन कर सके। दोपहर लगभग 12 बजे महापौर प्रमिला पांडेय गोबिन्द नगर बाजार पहुंची। यहां उन्होंने क्षेत्रीय पार्षद नवीन पंडित के साथ व्यापारियों, महिलाओं एवं महिला सफाई कर्मचारियों को दिये के पैकेट के साथ-साथ पम्पलेट बांटे। पैकेट मे दिये के साथ रुई की बत्ती व तेल की शीशी थी। पम्पलेट मे आम नागरिकों को शहर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए उनकी भी जिम्मेदारी का अहसास कराया गया। महापौर ने स्वयं अपने हाथों से दिये व पम्पलेट लोगों को बाटते हुए कहा कि बिना आम जनता की जागरूकता एव सहभागिता के कोई भी कार्य सुचारू रूप से संपन्न नही हो सकता है।उन्होंने कहा कि इस दीपावली हम एक दीया स्वच्छता के नाम पर जलाए ताकि स्वच्छता व साफ- सफाई हमारे जीवन का एक अहम हिस्सा बने।महापौर ने कहा कि शहर भी हमारे बडे घर की तरह है। हमारे

नाते-रिश्तेदार जब यहाँ आते है तो उन्हें हमारा घर तो उन्हें बहुत स्वच्छ दिखता है। परन्तु बाहर जगह-जगह पसरी गंदगी व बदबू से उनका रहना मुहाल हो जाता है। उन्होंने कहा कि घर कि महिलाएं जब घर पर पोछा लगा रही होती है तो फर्श सुखने से पहले अगर कोई परिवार का सदस्य उस पर पैर रख देता है तो उन्हें बहुत तकलीफ होती है इसी तरह सुबह सफाई कर्मचारी सडको-गलियों की बडी मेहनत करके जब सफाई करता है तो उसके थोडी ही देर बाद अगर हम अपने घर का कूड़ा बाहर सडक या गली मे डाल देते हैं तो उन्हें बहुत कष्ट होता है व इससे गंदगी भी फैलती है।महापौर ने कहा कि नगर निगम के सफाई कर्मचारियों को भी इस बात का अफसोस है कि हमारी कडी मेहनत के बावजूद हम स्वच्छता की रैकिंग मे अव्वल नही आ पा रहे है।उन्होंने लोगों को आव्हान किया कि वह कुछ रुपए बचाने के लिए कुडे को बाहर गलियों सडकों पर कतई न फेंके। गंदगी से बीमारियां फैलेंगी तो बीमारियों से आर्थिक नुकसान हमारा ही होगा। महापौर के साथ प्रकाश वीर आर्य, शम्मी भल्ला, जसपाल भगत, अनीता दीक्षित, रश्मि सिंह, मोनी निषाद, राजीव अवस्थी, अवध बिहारी अवस्थी आदि रहे।

शब्द साधक सम्मान से बादल बाजपुरी को सम्मानित किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान बुलन्दी साहित्यिक संस्था के मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने मीडिया को बताया कि बुलन्दी संस्था के संस्थापक विवेक बादल बाजपुरी को गोविंद बल्लभ कृषि एंव प्रौ. विश्वविद्यालय द्वारा 112वें किसान मेले के अंतर्गत आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में हिंदी साहित्य को समर्द्ध करने एंव अपने लेखन के माध्यम से उत्कृष्ट अवदान करने हेतु शब्द साधक सम्मान से सम्मानित किया गया। बुलन्दी के मीडिया प्रभारी वर्मा के अनुसार कार्यक्रम का संयोजन डॉ के.पी.सिंह और ओम शंकर मिश्रा ने किया। एक लंबे अरसे से बादल बाजपुरी साहित्य जगत में स्थापित कवियों की सूची में है जो दूरदर्शन उत्तराखंड, आकाशवाणी सहित कई प्रतिष्ठित टी वी चैनलों पर काव्य पाठ कर चुके हैं एवं अंतरराष्ट्रीय सैकड़ो राष्ट्रीय सम्मानों से सम्मानित भी हो चुके हैं ' साथ ही साथ बाजपुरी अपनी संस्था के माध्यम से दो बार विश्व रिकोर्ड भी बना चुके है ' मीडिया प्रभारी वर्मा ने बताया कि बाजपुरी साहित्य जगत में वैश्विक स्तर पर जाना पहचाना नाम है जिन्होंने अपनी कम उम्र में अनेकों उपलब्धियों एंव वैश्विक स्तर के अनोखे साहित्यिक कार्यक्रम करवा के सम्पूर्ण साहित्य जगत को अपने तरफ आकर्षित भी किया है ' उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी गुरुदीन वर्मा ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

ब्यावर उपखंड अधिकारी राहुल जैन का स्थानांतरण निरस्त करवाने के लिए विभिन्न संगठनों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान। ब्यावर उपखंड अधिकारी का स्थानांतरण निरस्त करवाने के लिए ब्यावर के विभिन्न संगठनों ने राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जिनमें मुख्यत ब्यावर जनाधिकार मंच, ब्यावर व्यापार संघ, डिस्ट्रीब्यूशन एसोसिएशन ब्यावर, फैंसी क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन ब्यावर, खंडेलवाल वैश्य समाज ब्यावर, श्रीमद भागवत (प्रभात फैरी) परिवार, कोरोना पंचायत ब्यावर, राष्ट्रीय मानवाधिकार संघ, कम्युनिटी पुलिसिंग बोर्ड, अंतरराष्ट्रीय महिला फेडरेशन, राष्ट्रीय जन कल्याण संस्थान, ब्यावर नगर विकास कमेटी, अंतराष्ट्रीय हिन्दू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल, राष्ट्रीय व्यापार संघ ब्यावर, नारी जन जागृति संस्थान, ब्यावर कामधेनु सेना, सर्वधर्म महासभा, एन्टी करप्शन हेल्पलाईन ब्यावर, राष्ट्रीय जन कल्याण संस्थान सहित। ब्यावर उपखण्ड अधिकारी राहुल जैन का स्थानांतरण निरस्त करवाने हेतु राज्य सरकार ने भारतीय प्रसासनिक सेवा के अधिकारियों के स्थानान्तरण किये हैं जो दोषपूर्ण हैं जिसका हम सभी नागरिक संगठन विरोध दर्ज करवाते निवेदन हैं कि स्थानांतरण सूची में ब्यावर उपखण्ड

अधिकारी के पद पर पदस्थापित नेक निर्भीक ईमानदार कर्मठ कर्तव्यपरायण जनहितैषी निष्पक्ष न्यायप्रिय अधिकारी श्री राहुल जैन आईएएस के स्थानांतरण से ब्यावर के आमजन व सहयोगी संगठनों में भारी रोष व असन्तोष हैं। एक ईमानदार निर्भीक लोकसेवक के रूप में राहुल जैन ने ब्यावर में अभी तक गम्भीर से गम्भीर परिस्थितियों को कुशलतापूर्वक सम्हाला हैं साथ ही, सामाजिक समरसता ,सर्वधर्म समभाव, कानून व्यवस्था, सामाजिक सरोकारों से जुड़े हुए मसलों पर कीर्तिमान स्थापित कर राज्य सरकार का गौरव बढ़ाया हैं। अतः माननीय महामहिम राज्यपाल एवं प्रदेश की सरकार से हम सभी नागरिक संगठन विनम्रतापूर्वक निवेदन करते हैं कि उपखण्ड अधिकारी श्री राहुल जैन का उक्त स्थानांतरण जनहित में शीघ्र निरस्त करवाने की कृपा करें। मान्यवर आप सूचित हो कि आईएएस राहुल जैन का स्थानांतरण निरस्त करने में देरी होने या निरस्त नही करने पर संगठनों को आन्दोलन के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इस अवसर पर गजराज आचार्य, संजय घीया, डीके जैन, प्रदीप बोहरा, विजय लोंगानी, कपिल भारती , प्रकाश कुंदनानी, अकरम खान, जावेद खान, राजेन्द्र शर्मा , नेमीचंद सेन, किशोर साहू, ममता गुप्ता , शैलेन्द्र कुमावत, राकेश खंडेलवाल, भानु, विपुल बोहरा, नरेश गुप्ता, राजेन्द्र सोनी, महावीर कुमावत आदि उपस्थित थे। उक्त जानकारी, समाजसेवी गजराज आचार्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

वेद सृष्टि चलाने का संविधान हैं: साध्वी द्रोप्ती तनेजा

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'वेद सृष्टि का आदि ज्ञान' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। वैदिक विदुषी द्रोप्ती तनेजा ने कहा कि परमात्मा ने चार ऋषियों अग्नि, वायु, आदित्य, अंगिरा के माध्यम से वेद ज्ञान सृष्टि के प्रारम्भ में दिया यह सृष्टि चलाने का संविधान है। उन्होंने कहा कि वेद में कोई गप, किस्से या कहानियां नहीं है अपितु भिन्न भिन्न विषयो का ज्ञान है। जब वेद भारत में लुप्त हो गए थे तो महर्षि दयानंद सरस्वती ने जर्मनी से मंगा कर पुनर्स्थापना की। हमें प्रतिदिन एक वेद मंत्र का स्वाध्याय करना चाहिए।वेद मानवता के पोषक हैं वेद मार्ग पर चलकर ही विश्व में शांति स्थापित हो सकती है।केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने संचालन किया वेद विश्व की धरोहर बताया। मुख्य अतिथि आर्य नेता आर पी सूरी व अध्यक्ष डॉ. कल्पना रस्तोगी ने भी वेदों की प्राचीनता के प्रमाण दिए। राष्ट्रीय मंत्री प्रवीण आर्य ने कहा कि वेद ज्ञान का अथाह भण्डार है ओर ऑनलाइन उपस्थित शक्ति और भक्ति स्वरूपा मातृशक्ति एवं देवतुल्य भ्राताओं का धन्यवाद ज्ञापित किया। गायिका प्रवीणा ठक्कर, रविन्द्र गुप्ता, रचना वर्मा, रजनी चुग, ओम सपरा, ईश आर्य (हिसार), विमल चड्ढा (केन्या नरोबी), अनिता रेलन (अमेरिका), सुरेन्द्र बुधिराजा (लंदन), ईश्वर देवी (अलवर), सुनीता अरोड़ा (अमृतसर), कृष्णा गांधी (सोनीपत), जनक अरोड़ा (पानीपत), कुसुम भंडारी आदि ने भी अपने विचार रखे। उक्त जानकारी मीडिया प्रभारी प्रवीण आर्य ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

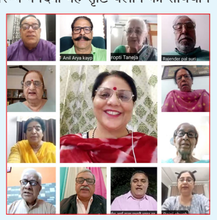

पिंडवाड़ा में एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया

मुंबई हलचल / भैरु सिंह राठौड़

राजस्थान के सिरोही जिले के पिण्डवाड़ा में स्वामी विवेकानंद राजकीय मॉडल स्कूल झाडोली पिंडवाड़ा में एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण का आयोजन करते हुए विद्यार्थियों को ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करवाया गया। विद्यालय से बस के माध्यम से विद्यार्थी और शिक्षक आशापुरा धाम, चारभुजा होते हुए कुंभलगढ़ पहुंचे। कुंभलगढ़ किले के ऐतिहासिक महत्व को समझते हुए सभी विद्यार्थियों ने इस किले के इतिहास को समझा। शाम का भोजन कुंभलगढ़ में करके विद्यालय का दल पुनः स्कूल पहुंचा। बस के साथ स्वयं प्रधानाचार्य श्याम सुंदर व्यास और अन्य शिक्षक शिक्षिकाएं मौजूद रहे। उक्त जानकारी क्षेत्रीय पत्रकार भुपेंद्र परमार ने राजस्थान संपादक भैरु सिंह राठौड़ को दी हैं।

कानपुर का बहुचर्चित ज्योति हत्याकांड: पति-प्रेमिका समेत आधा दर्जन को कोर्ट ने सुनाई उम्र कैद की सजा

संवाददाता/सुनील बाजपेई

कानपुर। शुक्रवार को आठ साल पुराने बहुचर्चित रहे ज्योति हत्याकांड में अपर जिला जज अजय कुमार त्रिपाठी ने मृतक ज्योति के पति पीयूष श्यामदासानी, पीयूष की प्रेमिका मनीषा मखीजा, मनीषा के ड्राइवर अवधेश चतुर्वेदी, रेनू कनौजिया, सोनू कश्यप और आशीष कश्यप को उम्रकैद की सजा सुना दी। जिसके बाद न्यायिक हिरासत में सभी को जेल भेज दिया गया। इस सभी आरोपियों को कल गुरुवार को न्यायालय ने दोषी करार दिया था। आज की कार्रवाही के क्रम में आज शुक्रवार को अपर जिला जज अजय कुमार त्रिपाठी के न्यायालय में अभियोजन और बचाव पक्ष के अधिवक्ता दोपहर करीब 12 बजे न्यायालय पहुंचे। इस बीच सजा के बिंदु पर पहले बचाव पक्ष ने कम से कम देने की बात कही तो अभियोजन की ओर से विरल से विरलतम का तर्क देते हुए फांसी की सजा देने की मांग की गई। फिलहाल दोनों पक्षों को सुनने के बाद निर्णय सुनाने के लिए दोपहर करीब 1:22 बजे मनीषा पुलिस की कड़ी सुरक्षा में कोर्ट लाया गया। इसके बाद एक एक कर अन्य अभियुक्तों को लाया गया। इस तरह से सभी की उपस्थिति के बाद सजा सुनाई गई। जानकारी देते हुए डीजीसी क्रिमिनल दिलीप अवस्थी ने बताया सभी को हत्या, साक्ष्य मिटाने और षड्यंत्र का दोषी पाया गया था। आरोपित रेनू

और सोनू के पास से चाकू बरामद हुआ था इसलिए दोनों को आयुध अधिनियम के तहत भी दोषी करार दिया गया था। पुलिस को घटना की जानकारी न देने के आरोप में पीयूष की मां पूनम भाई कमलेश और मुकेश श्यामदासानी को आइपीसी की धारा 202 के तहत आरोपित किया गया था लेकिन न्यायालय ने साक्ष्य के अभाव में तीनों को बरी कर दिया था। याद रहे कि पांडु नगर निवासी बिस्कुट कारोबारी पीयूष श्यामदासानी पत्नी ज्योति के साथ 27 जुलाई 2014 की रात स्वरूप नगर के वरांडा होटल गया था। रात करीब 11:30 बजे उसने पुलिस को सूचना दी कि कुछ लोगों ने उसकी गाड़ी हांडा एकार्ड के सामने बाइक लगाकर उसे रोक लिया। नीचे उतारकर उसे पीटा और पत्नी व गाड़ी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने उसकी तहरीर पर प्राथमिक सूचना दर्ज कर ली। उसी रात करीब दो बजे पुलिस ने कल्याणपुर पनकी रोड पर खड़ी कार में पुलिस का शव बरामद कर लिया। इसी के बाद जबलपुर निवासी ज्योति के पिता शंकर नागदेव ने भी पीयूष पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी थी। इस मामले में 24 घंटे के भीतर पुलिस ने घटना का राजफाश कर दिया था। इसके बाद पीयूष, केसर पान मसाला कारोबारी हरीश मखीजा की बेटी मनीषा उसके ड्राइवर अवधेश और हत्या व हत्या की साजिश रचने में शामिल रेनू, सोनू और आशीष को गिरफ्तार किया था।

दैनिक मुंबई हलचल

जरूरी सूचना

पाठकों, शुभचिंतकों व विज्ञापनदाताओं को सुचित किया जाता है कि अगर किसी को कोई समस्या हो तो वह नीचे दिये गये दै. मुंबई हलचल कार्यालय नंबर पर संपर्क करें. साथ ही आप अपने क्षेत्र के समस्याओं की समाचार व वीडियों हमें भेज सकते हैं.

धन्यवाद... संपादक

9821238815

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

एमएम वैली परिसर में कचरा डंपिंग को लेकर एनसीपी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान ने की मांग

अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट रद्द किया जाए अन्यथा होगा उग्र प्रदर्शन

मुंबई हलचल / संवाददाता

मुंब्रा। कचरा डंपिंग को लेकर मुंब्रा शहर में हाहाकार मची हुई है कभी कचरा डंपिंग मित्तल ग्राउंड में किया जा रहा है उसको लेकर महिलाओं द्वारा प्रदर्शन किया जा रहा है तो कभी सड़कों पर कचरा डंपिंग करने पर एमआईएम पार्टी द्वारा जमकर विरोध किया गया और बाद में सड़क पर से कचरा डंपिंग को हटाया गया लेकिन बड़ा अफसोस की बात है ठाणे मनपा प्रशासन अब तक कचरा डंपिंग के लिए कोई जगह मोहिया कराने में पूरी तरह से विफल नजर आ रही है जिसमें मुंब्रा शहर का कचरा डंप किया जा सके और अब एमएम वैली परिसर में भी कचरा डंपिंग को लेकर स्थानीय रहवासियों की आवाजें उठने लगी है इस पूरे मामले को लेकर एनसीपी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए नजर आए और एमएम वैली परिसर में कचरा डंपिंग को लेकर ठाणे मनपा प्रशासन की मुंब्रा प्रभाग समिति में कार्यरत सहायक आयुक्त सागर सालुंके को अपने

तमाम कार्यकर्ता और पदाधिकारी समेत मेमोरेंडम दिया गया और उनसे मांग की गई है के एमएम वैली परिसर में कचरा डंपिंग नहीं किया जाए उन्होंने बताया जहां पर अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा एमएम वैली परिसर में कचरा डंपिंग किया जा रहा है उसके आसपास इलाके की इमारत के रहवासियों की लगातार शिकायतें उनके कार्यालय तक पहुंच रही थी उन्होंने बताया कि आसपास सरकारी अस्पताल है, स्टेडियम है, सरकारी स्कूल है ग्रे स्क्वायर, सुकून हाइट, और अन्य कई इमारतें है ऐसे में अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा आबादी वाले इलाके में ऐसे कैसे कचरा डंपिंग कर सकती है अगर कचरा डंपिंग करने की वजह से बीमारी फैलती है तो उसका जिम्मेदार कौन होगा जब शहर की जनता टैक्स दे रही है तो मनपा प्रशासन की जिम्मेदारी है कि वह ऐसी जगह पर कचरा डंपिंग करें जहां पर आबादी ना हो उन्होंने बताया की दिवा और मुंब्रा के बीच का इलाका खाली पड़ा हुआ है आखिर वहां पर क्यों नहीं अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा कचरा डंप किया जाता है उन्होंने कड़े शब्दों में कहा कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी अपने काम को लेकर भरपूर लापरवाही बरत रही है और उसका कॉन्ट्रैक्ट रद्द करना अनिवार्य है उन्होंने कलवा मुंब्रा की विधायक जितेंद्र अवार्ड और नवनिर्वाचित ठाणे मनपा आयुक्त अभिजीत बांगर से निवेदन किया है कि अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट जल्द से जल्द रद्द किया जाए अन्यथा एनसीपी अपने सभी कार्यकर्ता और पदाधिकारी को लेकर उग्र प्रदर्शन करेगी उन्होंने कहा मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त ने आश्वासन दिया है कि वह एमएम वैली परिसर में कचरा डंपिंग अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा बंद कर दिया जाएगा अब देखना यह है क्या अभिषेक कंस्ट्रक्शन कंपनी का कॉन्ट्रैक्ट रद्द किया जाता है या एनसीपी उग्र प्रदर्शन करेगी यह तो समय ही बताएगा मुंब्रा प्रभाग समिति के सहायक आयुक्त सागर सालुंके को मेमोरेंडम देने में एनसीपी के कलवा मुंब्रा विधानसभा अध्यक्ष शमीम खान समेत बबलू शेमना, जावेद मेडिकल, और अन्य कार्यकर्ता और पदाधिकारी उपस्थित थे।

पुणे के युवक के पास से 10 लाख रुपए के 'एडल्ट टॉय' बरामद

नाबालिगों को बेचे जा रहे थे ऑनलाइन

मुंबई हलचल / संवाददाता

पुणे। पुणे को महाराष्ट्र की शैक्षणिक राजधानी कहा जाता है। दरअसल यह महाराष्ट्र का ही नहीं बल्कि देश का एक अहम शिक्षा का केंद्र है। यहां देश भर से युवा पढ़ने और अपना भविष्य बनाने आते हैं। लेकिन यह खबर ना सिर्फ चौंकाने वाली है, बल्कि पुणे में अपने लाड़लों को पढ़ने भेजने वाले अभिभावकों के लिए भी चिंता बढ़ाने वाली है। उन्हें यह खबर सतर्क करती है कि वे ध्यान रखें कि कहीं उनका लाड़ला बिगड़ तो नहीं गया। पुणे के एक गोडाउन से करीब 10 लाख रुपए के सेक्स टॉयज जब्त किए गए हैं। इन सेक्स टॉयज की बिक्री ऑनलाइन की जा रही थी और सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि बड़ी तादाद में नाबालिग विद्यार्थी इसे खरीद रहे थे। इससे यह सवाल खड़ा होता है कि क्या पुणे के युवाओं को सेक्स टॉयज की लत लग लग रही

है? पुणे पुलिस ने इस मामले में एक शख्स के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। आईपीसी की धारा 292 और 293 के तहत यह केस दर्ज किया गया है। इस पूरी ऑनलाइन बिक्री को लेकर सबसे बड़ी चिंता की बात यही है कि इन एडल्ट टॉयज को बड़ी तादाद में नाबालिग युवा खरीद रहे थे। एडल्ट टॉयज का यह बिजनेस किस हद तक फैला हुआ है, पुलिस इसका पता लगा रही है। इससे पहले पुणे में सितंबर के महीने में 'सेक्स तंत्रा' शिविर नाम से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इसके पोस्टर्स वगैरह छपवा दिए गए थे और इसमें भाग लेने के लिए पास की बिक्री से संबंधित जानकारियां दे दी गई थीं। लेकिन इसके खिलाफ सामाजिक और महिला संगठनों ने एक मुहिम शुरू की। इसके बाद पुणे पुलिस पर दबाव बढ़ा और फिर पुलिस ने यह कार्यक्रम रुकवा दिया। यह कार्यक्रम नवरात्रि त्योहार से पहले युवाओं को आकर्षित करने के लिए भारतीय परंपरा और रीति-रिवाजों की आड़ में यौन भावनाओं को उत्तेजित करके मोटी कमाई करने वाला कार्यक्रम था। यह कार्यक्रम 1,2 और 3 अक्टूबर को आयोजित किया जा रहा था। इसमें भाग लेने के लिए प्रति व्यक्ति 15 हजार रुपए तक का टिकट रखा गया था। इसके लिए एक क्यू आर कोड और फोन नंबर तक प्रोवाइड करवाए गए थे।

(पृष्ठ 1 का समाचार)

आतंकी हमले की आशंका?

इसीलिए मुंबई पुलिस ने 1 नवंबर से 15 नवंबर तक के लिए यह अलर्ट जारी किया है। यह आदेश 1 नवंबर 2022 की दोपहर 12 बजे के बाद से लागू होगा और 15 नवंबर की रात 12 बजे तक चलेगा। यह आदेश 15 दिनों के लिए लागू किया जा रहा है। लेकिन अगर खतरे की आशंका कायम रही तो इसे बढ़ाया भी जा सकता है। इन 15 दिनों में मुंबई शहर पर ऐसे कौन से खतरे मंडरा रहे हैं, मुंबई पुलिस ने यह खुलासा नहीं किया है। लेकिन खतरों से निपटने के लिए अलर्ट जारी कर दिया है। मुंबई पुलिस की ओर से यही बताया गया है कि यह आदेश कानून-व्यवस्था को सही रखने के लिए और संभावित खतरों की आशंकाओं को देखते हुए लागू किया गया है। मुंबई पुलिस के इस आदेश के मुताबिक जो सामान्य कार्यक्रम हैं, उनपर यह पाबंदी लागू नहीं होगी। स्कूल-कॉलेज नियमित रूप से चलेंगे। सिनेमा-थिएटर्स शुरू रहेंगे। शादियां- अंतिम संस्कार पर ये नियम लागू नहीं होंगे। कार्यालयों-संस्थाओं की बैठकों पर रोक नहीं होगी। पुलिस परमिशन के बिना किसी भी तरह के शस्त्र रखने या लाने-ले जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। पत्थर, विस्फोटक जमा करने या लाने-ले जाने पर भी पाबंदी होगी। शालीनता और शिष्टाचार का उल्लंघन करने वाले पोस्टर और बैनर या तस्वीरें लेकर प्रदर्शन करने पर रोक होगी। सार्वजनिक ठिकानों पर गाने बजाने पर पाबंदी होगी। पुलिस और सरकारी नौकरियों में शामिल लोग और सिक्योरिटी पर्सनल्स को शस्त्र रखने की छूट कायम होगी। नियमों का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संजय राउत की दिवाली भी काली

इस तरह संजय राउत को अब और 13 दिनों तक जेल में ही रहना होगा। उन्हें दो नवंबर तक न्यायिक हिरासत में भेजा गय है। संजय राउत को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मुंबई के गोरेगांव पत्राचॉल घोटाला मामले में गिरफ्तार किया था। संजय राउत को पत्राचॉल घोटाला मामले में 31 जुलाई की रात अरेस्ट किया गया था। इसके बाद पहले राउत को ईडी और फिर ज्यूडिशियरी कस्टडी में भेजा गया। फिलहाल संजय राउत मुंबई की आर्थर रोड जेल में हैं। ईडी का आरोप है कि गोरेगांव के 1000 करोड़ से ज्यादा के घोटाले में संजय राउत सिर्फ भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसके मुख्य सूत्रधार हैं। ईडी ने आरोप लगाया कि संजय राउत के करीबी प्रवीण राउत के हाथ पत्राचॉल के डेवलपमेंट का कॉन्ट्रैक्ट था। उन्होंने एचडीआईएल ग्रुप की ओर से 112 करोड़ रुपए मिले। इसमें से 1 करोड़ 6 लाख 44 हजार रुपए संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत के अकाउंट में ट्रांसफर किए गए। इन्हीं पैसों से अलिबाग में जमीन खरीदी गई।

सीरम इंस्टीट्यूट ने बंद किया कोविशील्ड वैक्सीन का उत्पादन

उन्होंने सामान्य तौर से कहा कि कोरोना थका हो या ना थका हो, लोग इससे अब थक चुके हैं, इससे जूझते-जूझते ऊब चुके हैं। अब वे भी इसके उत्पादन के लिए बहुत इच्छुक नहीं हैं। इसका डर खत्म हो गया है। पुणे में विकासशील देश टीका निमार्ता नेटवर्क (डीसीवीएमएन) की सालाना आम बैठक शुरू है। इससे बाहर आकर संवाददाताओं से बातचीत में पूनावाला ने कहा कि प्रिकॉशनरी डोज यानी एहतियाती खुराक की कोई मांग नहीं है, क्योंकि लोग महामारी से तंग आ चुके हैं और उनमें टीकाकरण को लेकर उदासीनता आ गई है। पूनावाला ने कहा, अब कोवोवैक्स को अगले दो हफ्तों में मंजूरी दी जा सकती है। ऐसे में मुझे लगता है कि वे संभवतः एहतियाती टीकों की मिश्रित खुराक लगाने की इजाजत दे देंगे और उन्हें ऐसा करना भी चाहिए। अगर डब्ल्यूएचओ (विश्व स्वास्थ्य संगठन) इसकी मंजूरी देता है तो संभवतः भारतीय नियामक भी अनुमति प्रदान कर देगा और उसे ऐसा करना भी चाहिए। उन्होंने कहा, हालांकि, मौजूदा समय में एहतियाती खुराक की कोई मांग नहीं है। आमतौर पर एहतियाती खुराकों को लेकर उदासीनता है। लोग कोविड-19 और टीकों से तंग आ चुके हैं। ईमानदारी से कहूं तो मैं भी इससे तंग आ चुका हूं। हम सब तंग आ चुके हैं।

नेरल-माथेरान में पर्यटकों के लिए फिर छुक-छुक करेगी ट्रॉय ट्रेन

इस महीने की शुरूआत में, मध्य रेलवे के एक अधिकारी ने बताया था कि टॉय ट्रेन सेवाओं के लिए नेरल और माथेरान के बीच 21 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक की अपग्रेडेशन का काम पूरा कर लिया गया । साल 2019 में नेरल और माथेरान के बीच रेल ट्रैक भारी बारिश की वजह से क्षतिग्रस्त हो गया था। इसके बाद परिचालन बंद हो गया था। कई स्थानों पर पटरियां बह गई थीं। बता दें कि माथेरान एक हिल स्टेशन के रूप में लोकप्रिय है, जो समुद्र तल से 2600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। माथेरान हिल स्टेशन मुंबई से केवल 100 किलोमीटर की दूरी पर है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

सर्दियों में खाएंगे ये चीजें तो रहेंगे सेहतमंद

सिर्फ गर्म कपड़े पहन कर ही ठंड से नहीं बचा जा सकता बल्कि शरीर में अंदरूनी गर्मी होना भी बहुत जरूरी है। अच्छे खान-पान की बदौलत ही इस गर्माहट को कायम रखा जा सकता है। सर्दी में डाइट अच्छी होगी तो ठंड भी कम लगेगी और बॉडी कई तरह के इंफैक्शन से भी बची रहेगी। कुछ लोगों का इम्युन सिस्टम कमजोर होता है, जिस वजह से वह ठंड में सर्दी खांसी-जुकाम का जल्दी शिकार हो जाते हैं, खासकर बच्चे। अगर उनकी डाइट में अच्छी चीजें शामिल कर दी जाए तो सर्दी में भी सेहतमंद रहा जा सकता है।

1. सर्दियों में रोजाना जरूर खाएं गुड़

वैसे आप गुड़ का सेवन हर मौसम में कर सकते हैं वेकिन सर्दियों में यह स्वास्थय के लिए काफी फायदेमंद होता है। दरअसल, सर्दियों में बॉडी में ब्लड सकुर्लेशन धीमा हो जाता है, जिससे ब्लड प्रैशर की समस्या हो जाती हैं। अगर आप गुड़ खाएंगे तो आपको यह परेशानी नहीं होगी। अगर आपको ब्लड प्रैशर संबंधी कोई प्रॉब्लम नहीं भी हैं तो भी आप इसका सेवन करें।

गुड़ की तासीर गर्म होती हैं, जिससे शरीर का तापमान ठीक रहता हैं जिससे ठंड ज्यादा महसूस नहीं होती।

जिन लोगों की प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती हैं उन्हें कोल्ड कफ की परेशानी जल्द हो जाती हैं। ऐसे लोगों को रोजाना गुड़ का सेवन करना चाहिए ताकि वह जुकाम और खांसी से बचे रहें।

इसमें कैल्शियम व मैग्नीशियम तत्व पाए जाते हैं जो हड्डियों के साथ मांसपेशियों व नसों की थकान को दूर करता है।

सर्दी के मौसम में गले व फेफड़ों का इंफैक्शन बहुत जल्दी होता है। ऐसे में गुड़ का सेवन करें और इन संक्रमण को दूर रखें।

रोजाना गुड़ का सेवन करने से आपका पाचन तंत्र भी तंदरूस्त रहता है।

डायबिटीज के शिकार लोग चीनी की जगह मीठे के रूप में गुड़ खा सकते हैं क्योंकि यह नैचुरल शुगर है।

2. मूंगफली खाकर रहें तंदरुस्त

बहुत सारे लोगों का मानना है कि मूंगफली से खांसी लगती हैं लेकिन ऐसा नहीं है। अगर आप मूंगफली के लाल छिलके उतार कर सेवन करें और बाद में

कम से कम आधा घंटा पानी ना पीएं तो कभी खांसी नहीं लगेगी।

खून की कमी नहीं होने देती मूंगफली

कैल्शियम और विटामिन डी नहीं होने देता हड्डियों को कमजोर

कोलेस्ट्रॉल का स्तर सही रहता है।

50 या 100 ग्राम मूंगफली रोजाना खाने से पाचन सहीं और हार्मोन्स भी संतुलित रहती है।

मूंगफली के तेल की मालिश करने से जोड़ों का दर्द सही।

एनर्जी से भरपूर मूंगफली शरीर को अंदर से गर्म रखता है जिससे सर्दी जुकाम की प्रॉब्लम नहीं होती।

बच्चों को जरूर दें क्योंकि इसमें होती हैं प्रोटीन की पूरी मात्रा

ध्यान रखें:

जिन लोगों की स्किन सेंसटिव या किसी तरह की एलर्जी का शिकार हैं उन्हें मूंगफली का सेवन चिकित्सक की सलाह लेकर करना चाहिए।

3. खजूर खाएं और दिखें खूबसूरत

खजूर उन लोगों के लिए बहुत बढ़िया हैं जिन्हें अक्सर जोड़ों में दर्द रहता हैं या जिनकी हड्डियां कमजोर हैं। उन्हें 3 से 4 खजूर गर्म दूध के साथ खानी चाहिए।

खजूर खाने से आपकी स्किन ग्लोइंग और झुर्रियों रहित हो जाती है।

अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर हैं तो आपको 3-4 खजूर पानी में भिगोकर रात भर रखनी है और सुबह इसका सेवन करना है।

इसमें आयरन काफी मात्रा में होती हैं जिससे एनीमिया की प्रॉब्लम नहीं होती है।

खजूर में फाइबर भी भरपूर मात्रा में होता हैं जो आपके वजन को कम करने में भी मददगार होता है।

जिन लोगों को अक्सर कब्ज की परेशानी रहती हैं उन्हें भी गर्म दूध के साथ खजूर या छुआरे का सेवन करना चाहिए, पेट साफ हो जाएगा।

4. सरसों का साग खाने के फायदे

सर्दियों में सरसों का साग सिर्फ आपको स्वाद ही नहीं देता बल्कि स्वास्थ भी अच्छा रखता है क्योंकि इसमें पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं।

सरसों के साग में विटामन के, ओमेगा 3 फैटी एसिड पाए जाते हैं जो गठिए के रोग और शरीर के किसी भी भाग में सूजन से राहत दिलाने का काम करता है।

फाइबर भरपूर साग आपके पेट को साफ रखता है। साथ ही वजन कंट्रोल में होता है।

हड्डियों की मजबूती के लिए कैल्शियम और पोटाशियम की खास जरूरत होती है जो सरसों के साग में भरपूर होती है।

साग में विटामिन ए आपकी आंखों की मांसपेशियो को सुरक्षित रखने का काम करता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर सरसों का साग शरीर को डीटॉक्सीफाई करने का काम करता है, जिससे प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है। इसका सेवन करने से पेट, फेफड़े,ओवरी और प्रोस्टेट कैंसर से भी बचाव रहता है।

फ्रूट की जगह लगाएं वेजिटेबल फेस पैक, ग्लो हो जाएगा दोगुना

आजकल बढ़ते प्रदूषण का असर स्किन पर साफ देखने को मिलता है। इससे त्वचा काफी रूखी सूखी और बेजान हो जाती है। जिसे ठीक करने के लिए लोग कई तरह के मंहगें प्रॉडक्ट खरीदते हैं। इनका असर त्वचा पर कुछ देर के लिए ही रहता है। इस्तेमाल बंद कर देने के बाद त्वचा दोबारा बेजान सी होने लगती है। अगर आप इन प्रॉडक्ट्स को इस्तेमाल कर के निराश हो चुके हैं तो आज हम आपको ऐसे वेजिटेबल फेस पैक के बारे में बताने जा रहे हैं जो आपके रूखेपन को ग्लोइंग स्किन में बदल सकते है। आइए जानते हैं इन फेस पैक को कैसे बनाना है और कैसे अपने फेस पर अप्लाई करना हैं।

1. आलू का फेस पैक

आलू की कुछ स्लाइस काटकर इसे मैश करके इसमें 2 टीस्पून दही मिलाकर पेस्ट की तरह बना लें। अब इसे अपने फेस पर 10 से 15 मिनट लगाएं और फिर हल्के गुनगुने पानी से धो लें। इस पैक को सप्ताह में दो बार लगाने से आपकी स्किन ग्लो करने लगेगी।

2. गाजर का फेस पैक

गाजर का फेस पैक बनाने के लिए दो चम्मच गाजर के रस में 1 टेबलस्पून शहद मिला लें। फिर इसे अपने चेहरे पर 20 मिनट तक लगाने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस फेस पैक को सप्ताह में एक बार इस्तेमाल करें।

3. बैंगन का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए बैंगन की एक स्लाईस काटकर अच्छी तरह से मैश कर लें और फिर इसमें 1 टेबलस्पून एलोवरो जैल मिक्स करके पेस्ट बना लें। अब इस पैक को अपने चेहरे पर 15 मिनट तक लगा रहने दें। फिर अपने चेहरे को माइल्ड क्लींजर से साफ करके गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। ग्लोइंग फेस पाने के लिए इस पैक को महीने में दो बार ही अप्लाई करें।

4. चुकंदर का फेस पैक

चुकंदर की एक पतली स्लाईस काटकर अच्छे से मैश करके इसमें 2 चम्मच ऑलिव ऑयल मिला कर फेस पैक तैयार करें। अब इससे अपने फेस पर मसाज करें और 20 मिनट के लिए इसे लगा रहने के बाद हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। इस फेस पैक को 10-10 दिन के अंतर में लगाएं। आपकी चेहरा 1 महीने में चमकने लगेगा।

5. हरे मटर का फेस पैक

इस पैक को बनाने के लिए 6-7 हरे मटर मैश करके इसमें 1 चम्मच नीबू का रस और 1\2 चम्मच नारियल तेल मिला कर पेस्ट की तरह बना लें। अब इस मिश्रण को चेहरे और गर्दन पर 15 मिनट के लिए लगा रहने दें और फिर लाइट क्लींजर और गुनगने पानी से चेहरा धो लें। इस फेस पैक का प्रयोग करने से आपकी त्वचा जवां दिखेगी।

लंबे समय से है जुकाम तो हो सकते हैं ये कारण

सर्दियों के मौसम में सर्दी-जुकाम होना आम है। सर्दी-जुकाम होने पर सिरदर्द, गले में परेशानी, नाक बहना आदि समस्याओं का सामना करना पड़ता है। वैसे तो यह 5 से 7 दिन तक रहता है लेकिन अगर इससे ज्यादा दिन जुकाम रहे तो एक बार डॉक्टरी सलाह जरूर लें। इसके अलावा जुकाम ज्यादा देर रहने के और भी कई कारण हो सकते है। आज हम आपको बताते हैं कि लंबे समय तक सर्दी-जुकाम होने के क्या कारण हो सकते है।

1. कम पानी पीना

गर्मियों की अपेक्षा सर्दियों में लोग कम पानी पीते हैं जिससे शरीर हाइड्रेट नहीं रहता। लिक्ड चीजों का कम सेवन करने से थकान और डिहाईड्रेशन हो सकती है। वहीं, जब आप बीमार होते है तो शरीर को अधिक पानी की जरूरत होती है। ऐसे में जूस, पानी और सूप अधिक पीएं।

2. गलत खानपान

अक्सर लोग बीमार होने पर खाना-पीना छोड़ देते हैं या फिर मसालेदार चीजों का सेवन करते हैं, जोकि आपके शरीर को नुकसान पहुंचाती है। दरअसल, बीमार होने पर शरीर को अधिक पोषक तत्वों की जरूरत होती हैं। ऐसे में जुकाम होने पर पौष्टिक आहार लें। खानपान सही न रखना भी लंबे समय तक जुकाम रहने का कारण है।

3. तनाव

आजकल अधिकतर लोग तनाव से ग्रस्त है। कई शोधों में पाया गया है कि तनाव कई बीमारियों की वजह बनता है। अगर आपको भी लंबे समय से जुकाम है तो एक बार डॉक्टरी जांच जरूर करवाएं क्योंकि तनाव भी इसका कारण हो सकता है।

4. एक्सरसाइज

जरूरत से ज्यादा एक्सरसाइज भी सेहत को नुकसान पहुंचाती है। वहीं, बीमार होने पर एक्सरसाइज नहीं करनी चाहिए। ज्यादातर लोग सोचते हैं कि जुकाम होने पर एक्सरसाइज की जा सकती है। एक्सरसाइज करें लेकिन ज्यादा नहीं क्योंकि यह भी तनाव का कारण बन सकती है।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हनी सिंह के एक पोस्ट से मची खलबली

यो यो हनी सिंह इस वक़्त सोशल मीडिया पर छाए हुए है। हर तरफ उन्ही के चर्चे हो रहे है और ये सब उनके एक सोशल मीडिया पोस्ट के बाद दिखाई दिया। आपको बता दे, ये सब खबरे फैलने के पीछे हनी सिंह का वो पोस्ट है जिसमे वो एक लड़की का हाथ थामे हुए दिखाई दे रहे है। उनके हाथ में एक लड़की का हाथ है। हालांकि इस तस्वीर में किसी का चेहरा नजर नहीं आ रहा। लेकिन जितना दिखाई दे रहा है उतना काफी है ये जानने के लिए कि हनी सिंह की जिन्दगी में एक बार फिर प्यार ने दस्तक दी है और उनकी लव लाइफ फिर से शुरू हो गयी है। आपको बता दे, कुछ दिनों पहले ही हनी सिंह का तलाक हुआ है और अब फैंस जानना चाहते है कि वो किसके इश्क में कैद हो गए है। ऐसे में सोशल मीडिया यूजर्स उनके पोस्ट पर रिप्लाई कर सिंगर से जानने की कोशिश कर रहे है कि ये लड़की कोण है। किसी ने कमेंट कर पूछा– 'नई भाभी आ गयी क्या?' तो एक यूजर ने पूछा, परंतु ये हाथ किस कन्या का है? दरअसल, हनी सिंह ने जो तस्वीर शेयर की है उसमे लड़की के हाथ में जो ब्रेसलेट है, वो टीना के ब्रेसलेट की तरह दिखाई दे रहा है। कुछ लोगों ने ये भी कहा कि हनी और टीना काफी समय से सोशल मीडिया पर एक–दूसरे की फोटोज पर कमेंट और लाइक कर रहे हैं। हालांकि अभी तक इन अफवाहों पर हनी सिंह और टीना ने कोई रिएक्शन नहीं दिया है।

देश की पहली एक्सट्रीम स्पोर्ट्स एक्शन फिल्म में नजर आएंगी जैकलीन

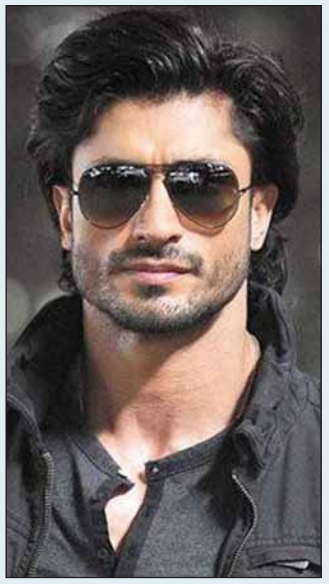

जैकलीन फर्नांडीस फिल्म 'क्रैक' में नजर आने वाली है। इस फिल्म में उनके साथ बॉलीवुड के एक्शन स्टार यानि विद्युत जामवाल नजर आने वाले है। इस फिल्म की खास बात ये है कि इसे फिल्म के मेकर्स देश की पहली एक्सट्रीम स्पोर्ट्स फिल्म बता रहे है, जिसका हिस्सा जैकलीन फर्नांडीस और विद्युत जामवाल बने है। इस फिल्म का हिस्सा बनने पर जैकलीन का कहना है कि फिल्म की स्क्रिप्ट पढ़ते ही उन्होंने तुरंत इस तरह की अनोखी कहानी का हिस्सा बनने का फैसला किया। साथ ही उन्होंने कहा कि वो विद्युत और बाकी टीम के साथ काम करने को लेकर काफी ज्यादा एक्साईटेड है। साथ ही इस फिल्म को लेकर विद्युत ने कहा कि इंडस्ट्री में फिल्मों को लेकर जैसी कंडीशन है ऐसे में अब हमें अपनी सीमा के दायरे को तोड़कर कुछ अलग और इंट्रस्टिंग कंसेप्ट पर फिल्में बनानी होंगी, यही वजह है कि अब एक्सट्रीम स्पोर्ट्स पर बेस्ड ये फिल्म लेकर आए हैं। जाहिर सी बात है कि इस कंसेप्ट पर बेस्ड फिल्म इससे पहले कभी बॉलीवुड में नहीं बनी है, जिस वजह से अब फैंस की एक्साइटमेंट फिल्म को लेकर और भी ज्यादा बढ़ने वाली है। विद्युत जामवाल को इसले पहले कई फिल्मों में जबरजस्त एक्शन करते देखा जा चुकता है और हाल ही में उनकी फिल्म 'कमांडो 3' काफी सक्सेसफुल रही जिसके बाद वो अब अपनी अगली फिल्म के लिए तैयार नजर आ रहे है। खास बात ये है कि इस फिल्म में विद्युत जहां जबरजस्त एक्शन सीन्स में कई स्टंट्स करते नजर आएंगे, तो वहीं साथ ही इस फिल्म के प्रोडक्शन का भी वो हिस्सा हैं।

आदित्य को अनन्या संग देख नेटिजन्स ने कर दिया ट्रोल

अनन्या पांडे बी टाउन इंडस्ट्री की क्यूट और चुलबुली एक्ट्रेस में से एक है। अनन्या अपने करियर और फिल्मों की वजह से जितनी सुर्खियों में रहती है, उससे भी कहीं ज्यादा वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर लाइमलाइट में रहती है। अनन्या पांडे का नाम बीते कई समय से एक्टर आदित्य रॉय कपूर के साथ लिया जा रहा है। दोनों को लेकर फिल्मी गलियारों में तो यहीं खबरें है कि दोनों एक दूसरे को डेट कर रहे है और हाल ही में जब दोनों को मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में साथ में देखा गया तो ऐसे में दोनों के डेटिंग की खबरें एक बार फिर से आने लगी। दिवाली आते ही बॉलीवुड इंडस्ट्री में जश्न और पार्टियों का दौर शुरू हो जाता है। बीती रात मशहूर फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में कई जानी मानी हस्तियां पहुंची, लेकिन इस दौरान सबकी नजरें बी टाउन के रूमर्ड कपल अनन्या पांडे और आदित्य रॉय कपूर पर टिकी हुई थी। ये दोनों पार्टी में लगभग एक ही समय पर पहुंचे और फिर साथ में पैपराजी के सामने कई तस्वीरें खिंचवाई, लेकिन अब इस रूमर्ड जोड़ी को सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल भी किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर अनन्या और आदित्य का ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है, जिसमें इन दोनों को मनीष मल्होत्रा की दिवाली पार्टी में साथ में देखा गया। यहां पर दिलचस्प बात तो ये रही कि ये दोनों एक ही कलर के आउटफिट में नजर आए। दोनों ने ही ब्लैक कलर के एथिनिक ड्रेस कैरी किए हुए थे, जिसमें दोनों ही काफी प्यारे लग रहे थे। साथ ही दोनों ने एक साथ काफी अच्छे से पैपराजी के सामने एक से बढ़कर पोज देकर तस्वीरें खिंचवाई।